ये अव्यक्त इशारे

रुहानी रॉयल्टी और प्युरिटी की पर्सनैलिटी धारण करो

10-05-2025

आपका स्व-स्वरूप पवित्र है, स्वधर्म अर्थात् आत्मा की पहली धारणा पवित्रता है। स्वदेश पवित्र देश है। स्वराज्य पवित्र राज्य है। स्व का यादगार परम पवित्र पूज्य है। कर्मेन्द्रियों का अनादि स्वभाव सुकर्म है, बस यही सदा स्मृति में रखो तो मेहनत और हद्ध से छूट जायेंगे। पवित्रता वरदान रूप में धारण कर लेंगे।

Adopt the personality of spiritual royalty and purity.

Your original form is pure. Your original religion, that is, the first dharna of the soul is purity. Your originalland is the pure land. Your kingdom is a pure kingdom. The memorial of you is supremely pure and worthyof worship. The eternal nature of your physical organs is that of performing pure actions. Simply keep thisin your awareness and you will be liberated from making effort and being forceful and you will be able toimbibe purity as a blessing.